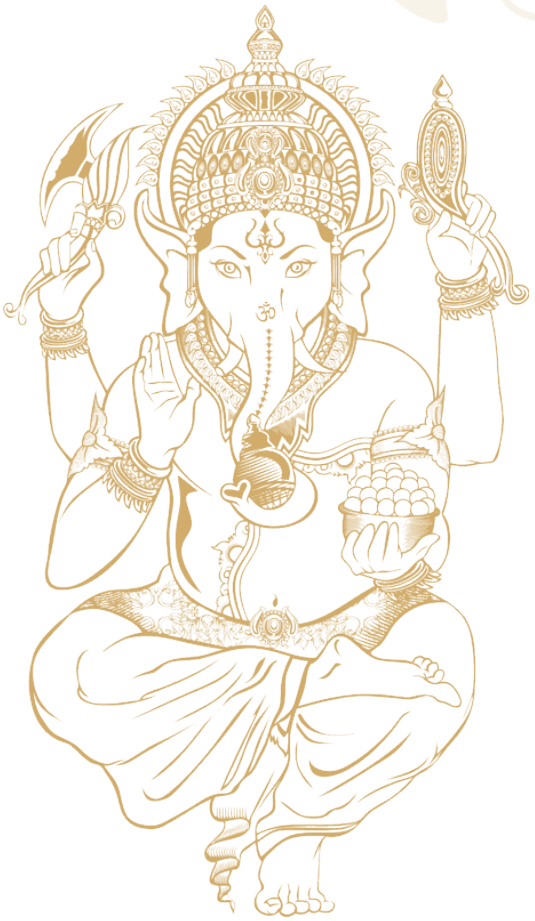

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120650902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/05/1994	जन्म तिथि	17/03/1994
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 12:58:00	जन्म समय	17:50:00 घंटे
घटी 18:09:48	जन्म समय(घटी)	28:07:35 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Ludhiana
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	30:56:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:04	सूर्योदय	06:34:58
19:05:32	सूर्यास्त	18:35:31
23:46:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:49

विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 8मा 23दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 4वर्ष 7मा 13दि	
राहु		00:04:20	सिंह	लग्न	सिंह	23:52:32	राहु	
24/01/2008		17:53:19	मेष	सूर्य	मीन	02:53:59	30/10/2015	
23/01/2026		14:21:37	मक	चंद्र	मेष	29:43:52	30/10/2033	
राहु	06/10/2010	19:47:08	मीन	मंगल	कुंभ	14:07:36	राहु	12/07/2018
गुरु	01/03/2013	20:06:52	मेष	बुध	कुंभ	05:16:48	गुरु	05/12/2020
शनि	06/01/2016	15:45:29	तुला व	गुरु व	तुला	20:25:41	शनि	12/10/2023
बुध	25/07/2018	13:34:20	वृष	शुक्र	मीन	17:17:56	बुध	30/04/2026
केतु	13/08/2019	16:29:54	कुंभ	शनि	कुंभ	11:54:56	केतु	19/05/2027
शुक्र	12/08/2022	00:06:12	वृश्चि व	राहु व	वृश्चि	01:35:17	शुक्र	19/05/2030
सूर्य	07/07/2023	00:06:12	वृष व	केतु व	वृष	01:35:17	सूर्य	12/04/2031
चन्द्र	05/01/2025	02:33:41	मक व	हर्ष	मक	01:45:10	चन्द्र	11/10/2032
मंगल	23/01/2026	29:33:21	धनु व	नेप	धनु	29:09:27	मंगल	30/10/2033
		03:20:11	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	04:13:06		

लग्न-चलित

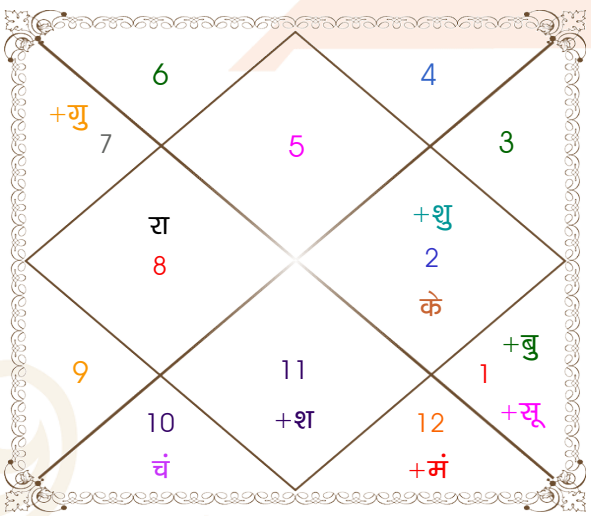

लग्न-चलित

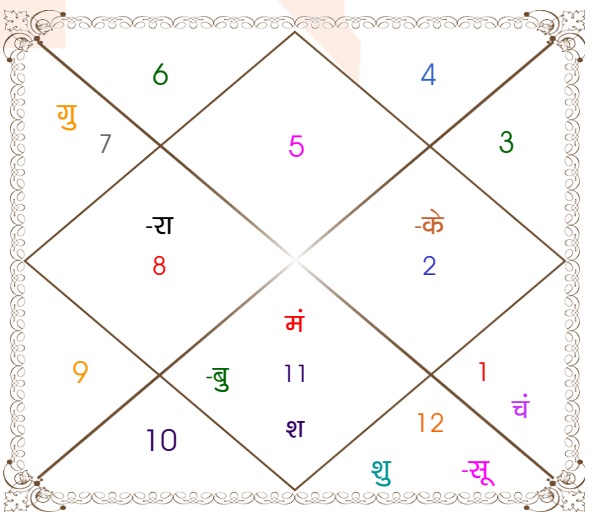

HARE KRISHNA ASTRO
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र श्रवण है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों

में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।